RNI No.-UPHIN/2010/35514 **ISSN-0976-349X**
संयुक्तांक 24-25 **नवम्बर 2024**

यू.जी.सी. केयर लिस्ट में सम्मिलित

इतिहास दृष्टि

संपादक

सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

संपर्क

228-आर, पूरबी बशारतपुर
निकट एच.एन. सिंह क्रॉसिंग
गोरखपुर-273004

प्रकाशक : **सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी**
228-आर, पूरबी बशारतपुर,
निकट, एच.एन. सिंह क्रॉसिंग
गोरखपुर-273004
मोबाइल : 9519442081

© सर्वाधिकार सुरक्षित

वार्षिक शुल्क :

संस्थागत	:	800 रु.
व्यक्तिगत	:	400 रु.
आजीवन सदस्यता	:	8,000.00 रु.

भुगतान हेतु केवल बैंक ड्राफ्ट अथवा मनीऑर्डर ही निम्न पते पर स्वीकार्य हैं : सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी, 228 आर, पूरबी बशारतपुर, निकट एच.एन. सिंह चौराहा, गोरखपुर-273004।

संपादक मंडल

मुख्य संपादक : सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

उदय प्रकाश अरोड़ा (जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

एन.आर. फारुक़ी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

महेंद्र प्रताप (वाराणसी)

रश्मि पांडेय (लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ)

रेनू शुक्ला (गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर, देहरादून)

मनीषा चौधरी (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

इस अंक के लेखों में प्रदत्त तथ्यों एवं व्यक्त किए गए विचारों का पूर्ण दायित्व उनके लेखकों पर है और पत्रिका के संपादक एवं प्रकाशक पर इसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

संपादकीय

इतिहास दृष्टि का वर्ष 2025 का संयुक्तांक 24-25, निर्धारित समय से लगभग पांच महीन पहले ही आपके सामने है। इसका कारण मेरी संभावित विदेश यात्रा है।

इस अंक में समुद्र विज्ञान के ज्ञाता एवं शोधकर्ता डॉ. राजीवन निगम का आलेख महत्वपूर्ण है। कुछ वर्षों पहले मैंने न्यूयार्क में एक खुद प्रदर्शनी देखी थी जिसमें ग्लोबल वार्मिंग के कारण न्यूयार्क के समुद्र में डूबने की आशंका जतायी जा रही थी। इसके अलावा भारत की पौराणिक कथाओं में सृष्टि के जल प्लावन से समाप्त होने भी मैंने सुना था और उसका प्रभाव मेरे मस्तिष्क पर था। डॉ. राजीव निगम से दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिथिगृह में मेरी भेंट हुई थी। उस समय वह मेरे लिए अनजान व्यक्ति थे। नाश्ते की मेज पर एक साथ बैठने पर बातचीत शुरू हुई और उन्होंने अपना शोध का क्षेत्र बताया। द्वारका के समुद्र में डूबने और भारत-लंका के बीच में समुद्र की सतह के ऊंचा उठने की बात इस रोचक ढंग से बताई कि मैंने उनसे इस विषय पर एक आलेख लिखने का अनुरोध किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। यद्यपि आलेख मेरी बहुत सी जिज्ञासाओं का समाधान नहीं करता फिर भी महत्वपूर्ण है।

पुरातत्व इतिहास से संबंधित दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सजन्न कुमार का आलेख ''घग्घर घाटी से प्राप्त हड़प्पन मृदभांडों पर पशुचित्रकारी : एक मूल्यांकन'' शोधार्थियों को अत्याधिक जानकारी देने वाला आलेख है। संस्कृत साहित्य के माध्यम से समाज को देखने का प्रयास दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी अनुराग यादव ने अपने आलेख में किया है। ''हर्ष चरित : एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से उनका आलेख ज्ञानवर्धक है। गगनदीप सिंह का आलेख ''लोहागढ़ : सिख राज्य की राजधानी'' शोध की दृष्टि से विस्तृत जानकारी देने वाला आलेख है। किंतु भाषा विज्ञान से संबंधित डॉ. इलियास हुसैन का आलेख ''औपनिवेशिक भारत में भाषा विज्ञान तथा भाषा पहचानों का उद्गम'' इस अंक का सर्वश्रेष्ठ एवं उच्चस्तरीय आलेख है। विषय वस्तु की दृष्टि से अन्य सभी आलेख उच्च कोटि के हैं, किंतु हिंदी भाषा की दृष्टि से उनमें से कुछ कमजोर हैं। इन लेखकों का शिक्षा का माध्यम संभवत अंग्रेजी भाषा रहा है। किंतु हिंदी में लिखने का प्रयास सराहनीय एवं प्रशंसनीय है। हिंदी भाषा को प्रोत्साहन देने के लिए उन्हें स्थान दिया गया है। कुल मिलाकर ज्ञान के क्षेत्र में अभिवृद्धि करने वाला यह अंक आपके सामने है। इस प्रयास का मूल्यांकन करना एवं सहयोग तथा प्रोत्साहन देना आपका विषय है।

आशा है आपका सहयोग इस पत्रिका को मिलता रहेगा।

10.06.2024

सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी
rizvisnr.65@gmail.com
www.itihasdrishti.org
itihasdrishti@gmail.com

इस अंक के लेखक

डॉ. राजीव निगम	:	भूतपूर्व प्रमुख वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, समुद्री भूगर्भशास्त्र विभाग एवं समुद्री पुरातत्व प्रभाग, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, डोना पौला, गोवा 403004, (भारत)
डॉ. सज्जन कुमार	:	सहायक प्रोफेसर इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-11007
प्रो. रेनू शुक्ला	:	प्राचीन भारतीय, इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून (गु.कॉ. विश्वविद्यालय हरिद्वार)
अनुराग यादव	:	शोध छात्र, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
डॉ. मनीषा चौधरी	:	एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
गगनदीप सिंह	:	उपसचिव हरियाणा सिविल सेवा, नया सिविल सचिवालय, हरियाणा, सेक्टर-17, चंडीगढ़-160017
इति बहादुर	:	सहायक प्रोफेसर जे.एन.यू. अध्ययन केंद्र, इतिहास विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110025
के. लाल छुआनपुइया एवं	:	सहायक प्रोफेसर, इतिहास एवं मानव जीवन शास्त्र विभाग,
खवैराक्यम प्रेमजीत सिंह	:	भिझोरमर, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम।
डॉ. किशोर गायकवाड़	:	इतिहास और मानव शास्त्र विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम
पवन कुमार (पवन सोंटी)	:	पूर्व करेसपाण्डेंट, रायटर कंसल्रेट ऐट, दिल्ली विश्वविद्यालय, पी.आर. ओ. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
प्रोफेसर ताबिर कलाम	:	प्रोफेसर, इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
इलियास हुसैन	:	सह-प्राध्यापक, इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110025

समीक्षक

रूपेश खत्री	:	शोधार्थी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
हर्षमान एवं	:	शोधार्थी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
तेजमल बेनीवाल		

अनुक्रम

संपादकीय *V*

1. भारतीय समुद्री पुरातत्व और रामसेतु : वैज्ञानिक विवेचना 9
   — *राजीव निगम*

2. घग्गर घाटी से प्राप्त हड़प्पन मृद्भाण्डों पर पशु चित्रकारी : एक मूल्यांकन 15
   — *सज्जन कुमार*

3. बौद्ध धर्म में दान की परंपरा : एक विवेचना 30
   — *रेनू शुक्ला*

4. हर्षचरित : एक सामाजिक परिप्रेक्ष्य 40
   — *अनुराग यादव*

5. जीवों का प्रतिनिधित्व : शासक साम्राज्य और शिकार 49
   — *मनीषा चौधरी*

6. लोहगढ़—सिख राज्य की राजधानी 74
   — *गगनदीप सिंह*

7. पश्चिमी राजपुताना में सामाजिक परिवर्तन, राज्य गठन और जाट समाज 110
   — *इती बहादुर*

8. पारंपरिक जनजातीय शासन का पुनरावलोकन : लाई जनजाति में सत्ता संबंधों का अनावरण 120
   — *के. लाल छुआनपुइया, ख्वराई केपास प्रेमजीत सिंह*

9. आदिवासी कबीलों की दमित स्मृति : गोंड और बैगा के प्रतिवादी विचारों का संग्रहण 132
– किशोर गायकवाड़

10. भारत में समाचारपत्रों (प्रिंट मीडिया) का इतिहास और वर्तमान स्थिति 141
– पवन कुमार (पवन सोंटी)

11. भारत विभाजन एवं मुस्लिम समाज : उर्दू साहित्य के आईने में 152
– ताबिर कलाम

12. औपनिवेशिक भारत में भाषाविज्ञान तथा भाषा-पहचानों का उद्‌गम 161
– इलियास हुसैन

पुस्तक समीक्षा

जेंडर, रिलिजन एंड लोकल हिस्ट्री : द अर्ली दक्कन 172
– रूपेश खत्री

द बहमनी सूफीज : देअर स्प्रिचुल इंटेलेक्चुल एंड सोशियो पोलिटिकल रोल इन मेडिवल दक्कन ए.डी. 1300 टू 1538 140
– हर्षमान, (हिंद अनुवाद) तेजमल बेनीवाल